भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †288

सोमवार, 2 फरवरी, 2026/13 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

केरल में पर्यटन बढ़ाने के लिए पहल

†288. श्री राजमोहन उन्नीथनः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पर्यटन बढ़ाने की पहलों द्वारा दक्षिणी और मध्य केरल पर असमान रूप से ध्यान दिया जा रहा है;

(ख) स्वदेश दर्शन या संबंधित योजनाओं के अंतर्गत उत्तरी केरल के लिए स्वीकृत की गई परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है:

(ग) क्या कासरगोड को भावी पर्यटन सर्किट में शामिल किए जाने का विचार है; और

(घ) उक्त ज़िले में संधारणीय और समुदाय-आधारित पर्यटन को बढ़ाने के लिए उठाए गए/ उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): यद्यपि पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्यतः संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है, तथापि पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं जैसे 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)'- स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' के माध्यम से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन को, योजना दिशानिर्देशों, सरकारी निर्देशों के अनुरूप उनसे परियोजना प्रस्ताव की प्राप्ति पर, निधियों की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है। स्वदेश दर्शन योजना मार्च, 2026 तक स्वीकृत है और वर्तमान में इस योजना के तहत स्वीकृति हेतु कोई नया प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। पर्यटन मंत्रालय केरल सहित नियमित रूप से सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को देश में स्थायी और समुदाय आधारित पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

भारत सरकार ने 'राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक अपनी योजना के तहत भी देश में प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों के व्यापक विकास और वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग तथा विपणन करने के प्राथमिक उद्देश्य से परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

केरल राज्य में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी, प्रशाद और एसएएससीआई योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

****

अनुबंध

श्री राजमोहन उन्नीथन द्वारा केरल में पर्यटन बढ़ाने के लिए पहल के संबंध में दिनांक 02.02.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †288 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

केरल राज्य में स्वदेश दर्शन (एसडी), एसडी 2.0, सीबीडीडी, प्रशाद और एसएएससीआई योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ रु. में)

योजना/उप-योजना	**क्र. सं.**	**परियोजना/अनुभव का नाम**	**परिपथ/ गंतव्य**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि**
स्वदेश दर्शन (एसडी)	1	पथनमथिट्टा - गवी - वागामोन - थेक्कडी का विकास	इको परिपथ	2015-16	64.08
	2.	सबरीमाला - एरुमेली - पम्पा - सन्निधानम का विकास	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	46.54
	3.	श्रीपद्मनाभ अर्नामूला का विकास	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	78.08
	4.	मालानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	ग्रामीण परिपथ	2018-19	57.35
	5.	शिवगिरी श्री नारायण गुरु आश्रम - अरुवीपुरम - कुन्नुमपारा श्री सुब्रह्मनिया - चेम्बझंथी श्री नारायण गुरुकुलम का विकास	आध्यात्मिक परिपथ	2018-19	66.42
एसडी 2.0	6.	अलाप्पुझा: ए ग्लोबल वॉटर वंडरलैंड	अलाप्पुझा	2024-25	93.18
	7.	मलमपुझा गार्डन और लीजर पार्क में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना	मलमपुझा	2024-25	75.87
	8.	कुमारकोम पक्षी अभयारण्य अनुभव	कुमारकोम	2023-24	13.81
सीबीडीडी	9.	वर्कला-दक्षिण काशी (संस्कृति एवं विरासत श्रेणी के तहत)	वर्कला	2024-25	25.00
	10.	थालास्सेरी: आध्यात्मिक जुड़ाव (आध्यात्मिक पर्यटन श्रेणी के तहत)	थालास्सेरी	2024-25	25.00
एसएएससीआई	11.	कोल्लम में अष्टमुडी जैव विविधता और इको मनोरंजन केंद्र	कोल्लम	2024-25	59.71
	12.	सरगालया में मालाबार के सांस्कृतिक क्रूसिबल का ग्लोबल गेटवे	सरगालया	2024-25	95.34
प्रशाद	13.	गुरुवायूर मंदिर का विकास	गुरुवायूर	2016-17	45.19

****